नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी १९३४ से

5 क्या कृषि लाभदायक है?

6 अपने समाज और समय से रूबरू कराते हैं रांगेय राघव

7 सार्वजनिक स्वास्थ्य में ज्योतिष की भूमिका

10 रमेश बुदिहाल ने रचा इतिहास

एक नजर में

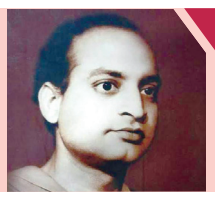

कुलगाम मुठभेड़ दो जवान शहीद, दो घायल

नगर. जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल वन क्षेत्र में नौवें दिन भी आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है. अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात हुई भीषण गोलीबारी में चार जवान घायल हुए, जिनमें से लांस नायक प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह ने श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में दम तोड़ दिया. चिनार कोर ने उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका साहस हमेशा प्रेरित करेगा.

रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर

नयी दिल्ली. वित्त वर्ष 2024-25 में देश का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 18 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्शाता है. रक्षा उत्पादन का ताजा वार्षिक आंकड़ा 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक है . रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के निर्माताओं और निजी उद्योग के सामूहिक प्रयासों की सराहना की है.

1800 करोड़ से बनेगा प्लांट

- रेल कोच इकाई का भूमि-पूजन औबेदुल्लागंज में आज
- वंदेभारत, अमृतभारत और मेट्रो के बनेंगे कोच

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 9 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर प्रदेश को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात प्राप्त हो रही है. परियोजना का भूमि-पूजन केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में करेंगे. कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रक्षा उत्पाद सचिव संजीव कुमार, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार, भारत अर्थ मूवर्स परियोजना के अध्यक्ष शांतनु राय शामिल हो रहे हैं. वहीं, इस कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअल जुडेंगे.

भारत अर्थ मूवर्स परियोजना द्वारा भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से राजधानी भोपाल सहित रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा. इन जिलों के तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे. परियोजना में 5 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलना प्राप्त होगा.

मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहे भोपाल क्षेत्र को इस परियोजना से बहुत लाभ होगा. यह परियोजना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रहे मेक इन इंडिया मिशन के भाव का प्रकटीकरण है. यहां बनने वाले वंदे भारत-अमृत भारत और मेट्रो ट्रेनों के कोच से सम्पूर्ण भारतीय रेल व्यवस्था के नए युग का सूत्रपात होग. मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि न सिर्फ राजधानी क्षेत्र बल्कि प्रदेश के विकास को गति देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना से निकट स्थित औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप भी लाभान्वित होगा.

125 से 200 कोच प्रतिवर्ष बनेंगे

परियोजना का प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 125 से 200 कोच प्रतिवर्ष होगी, जिसे पांच वर्षों में बढ़ाकर 1,100 कोच प्रतिवर्ष किया जाएगा. इस इकाई के संचालन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित होंगे, जिससे प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में उच्च स्तरीय औद्योगिक रोजगार उपलब्ध होंगे. साथ ही, यहां विकसित होने वाली तकनीकी क्षमताएं प्रदेश को हाई-स्पीड रेल और मेट्रो निर्माण के वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाएंगी.

मेक इन इंडिया के अनुरूप कार्य करेगा संयंत्र

ब्राह्मा संयंत्र पूरी तरह' मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करेगा. संयंत्र में उपयोग होने वाली अधिकांश तकनीक और सामग्री देश में विकसित व निर्मित की जाएगी, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी. यह परियोजना प्रदेश को रक्षा निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी. इस संयंत्र के निर्माण में पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा. यहां शून्य तरल अपशिष्ट प्रणाली, सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, वर्षा जल संचयन और हरित लैंडस्केपिंग को अपनाया जाएगा.

दीवार गिरने से आठ की मौत

नई दिल्ली, 09 अगस्त.देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह मूसलधार बारिश के बीच दक्षिण-पूर्वी जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया. हरी नगर गांव स्थित बाबा मोहन राम मंदिर के पास बने समाधि स्थल की दीवार अचानक गिरकर पास की झुग्गियों पर जा गिरी, जिसमें दबकर दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई.

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 9:30 बजे हुआ, जब क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी. अचानक जोरदार आवाज के साथ दीवार ढह गई और उसके मलबे के नीचे झुग्गियों में सो रहे या मौजूद लोग दब गए. सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया.

दमकल विभाग ने बताया कि मलबे से आठ लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. इनमें से सात ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि 27 वर्षीय हसीबुल गंभीर रूप से घायल था और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती था, लेकिन देर शाम उसकी भी मौत हो गई. दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मृतकों में तीन पुरुष, दो महिलाएं, दो बच्चियां और एक लड़का शामिल हैं. हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया है. कई परिवार बेघर हो गए हैं और उनके पास रहने की जगह भी नहीं बची है.

> स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि दीवार काफी पुरानी और जर्जर थी, जिसकी मरम्मत लंबे समय से नहीं की गई थी. उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और मुआवजे की घोषणा की संभावना जताई है. फिलहाल, पुलिस ने हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है और मौके पर मलबा हटाने का काम जारी है.

ट्रंप के आगे घुटने मत टेकें मोदी : कर्ट

भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ की कड़ी आलोचना, रिश्तों पर खतरे की चेतावनी

वाशिंगटन, 09 अगस्त. पूर्व अमेरिकी उप-विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के फैसले की तीखी आलोचना की है. उन्होंने कहा कि इस कदम से अमेरिका-भारत संबंधों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्रंप की शर्तों के आगे झुकना नहीं चाहिए.

कैंपबेल ने सीएनबीसी इंटरनेशनल से बातचीत में कहा, 21वीं सदी में अमेरिका का भारत के साथ संबंध बेहद अहम है. राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी के बारे में जो बातें कही हैं, उसने नई दिल्ली को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है. भारत को अमेरिका के दबाव में रूस से अपने संबंध तोड़ने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि ऐसा दबाव उल्टा असर डाल सकता है. कैंपबेल ने जोर दिया कि तकनीक, शिक्षा और सैन्य सहयोग के मामलों में अमेरिका और भारत के रिश्ते 21वीं सदी की रणनीतिक जरूरत हैं, लेकिन ट्रंप की नीतियों के कारण यह साझेदारी खतरे में है. अमेरिकी विदेश विभाग ने भी बयान जारी कर भारत को रणनीतिक साझेदार बताते हुए पूर्ण और स्पष्ट बातचीत जारी रहने की बात कही. उधर, ट्रंप ने साफ कर दिया है कि टैरिफ विवाद सुलझने तक भारत के साथ कोई व्यापार वार्ता नहीं होगी. इससे पहले उनके प्रशासन ने भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत करने का आदेश जारी किया.

> ट्रंप के समर्थक इस फैसले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ रहे हैं. व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत को शुल्कों का महाराजा करार देते हुए आरोप लगाया कि रूस से तेल खरीदकर भारत, यूक्रेन में मास्को के सैन्य अभियान को अप्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषित कर रहा है. उन्होंने कहा कि अतिरिक्त टैरिफ इसी वजह से लगाए गए हैं. कैंपबेल ने चेतावनी दी, भारत-अमेरिका के रिश्तों का आधार विश्वास और पारस्परिक सम्मान है. अगर इसे आर्थिक दबाव से कमजोर किया गया,

आध्यात्म और धर्म बढ़ेगा तभी भारत बनेगा : मोहन भागवत

नागपुर, 9 अगस्त. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत का वास्तविक निर्माण तभी संभव है जब समाज में आध्यात्मिकता और धर्म का प्रसार हो. उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ किसी एक पंथ से नहीं, बल्कि जीवन को सही मार्ग पर ले जाने वाले सिद्धांतों से है.

भागवत ने कहा कि भारत की आत्मा उसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में बसती है. धर्म का मतलब मंदिर-मस्जिद या पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वह व्यवस्था है जो व्यक्ति और समाज को संतुलित, न्यायपूर्ण और सह-अस्तित्व की राह पर चलाती है. उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाता है, तभी वह समाज को सुदृढ़ बनाता है. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत में धर्म हमेशा सर्वसमावेशी रहा है. हम किसी को छोड़ते नहीं, जोड़ते हैं. भारत की शक्ति ही इसकी विविधता है, और यह शक्ति तभी बढ़ेगी जब हम धर्म के व्यापक स्वरूप को समझेंगे. उन्होंने युवाओं को शिक्षा के साथ संस्कार अपनाने की सलाह दी, ताकि वे केवल करियर बनाने तक न रुकें, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा बनें. भागवत ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा जब लोग केवल भौतिक विकास तक सीमित न रहकर आत्मिक और सांस्कृतिक उन्नति भी करें.

एस-400 ने पाक के हमलों को हवा में रोका

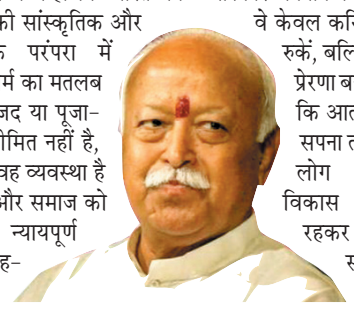

एयर मार्शल चीफ ने कहा- टीम पर गर्व

बेंगलूरू, 09 अगस्त. वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के हवाई हमलों को हवा में ही ध्वस्त कर भारतीय वायुसेना को निर्णायक बढ़त दिलाई.

इस प्रणाली ने पाकिस्तान के पाँच लड़ाकू और एक बड़ा निगरानी विमान को मार गिराया, जिनमें से कुछ को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया.

उन्होंने बताया, एस-400 ने गेम-चेंजर की भूमिका निभाई. इसकी लंबी मारक क्षमता और सटीक लक्ष्य भेदन ने पाकिस्तानी विमानों को हमारी सीमा से काफी दूर रोक दिया. उनकी कोशिशें हमारी आकाश और अन्य सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के दायरे में आने से पहले ही विफल हो गईं. ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने मुरीदके और बहावलपुर में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालयों पर सटीक हमले किए.

> वायुसेना प्रमुख ने उपग्रह और स्थानीय मीडिया से प्राप्त पहले और बाद की तस्वीरें दिखाईं, जिनमें इन ठिकानों का लगभग पूरी तरह सफाया नजर आया, जबकि आसपास की इमारतें सुरक्षित रहीं. शाहबाज जैकबाबाद एयरबेस पर हमला कर स्न-16 हैंगर को नुकसान पहुँचाया गया. चकलाला और मुरीदके के कमांड एवं कंट्रोल सेंटर भी नष्ट हुए, साथ ही छह राडार प्रणालियाँ ध्वस्त कर दी गईं. बहावलपुर के जैश मुख्यालय में हथियार भंडार और मीटिंग हॉल पूरी तरह जमींदोज हो गए. एस-400 की 400 किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइलें 600 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से लक्ष्य को भेद सकती हैं. इसमें मल्टी-टारगेट ट्रैकिंग, रडार जैमिंग-रोधी क्षमता और एक साथ कई विमानों पर हमला करने की योग्यता है.

मोदी आज कर्नाटक में करेंगे 22 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ

नयी दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. इनमें बैंगलोर मेट्रो की येलो लाइन, मेट्रो चरण-3 परियोजना और तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत शामिल है. आधिकारिक जानकारी के अनुसार, मोदी लगभग 7,160 करोड़ रुपये की लागत से बनी बैंगलोर मेट्रो येलो लाइन का उद्घाटन करेंगे, जो आरवी रोड (रागीगुड्डा) से बोम्मासंद्रा तक 19 किलोमीटर लंबी है और इसमें 16 स्टेशन हैं. इसके खुलने से बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क 96 किमी से अधिक हो जाएगा.

त्योहार पर यात्रियों को 20 प्रतिशत तक किराए में छूट

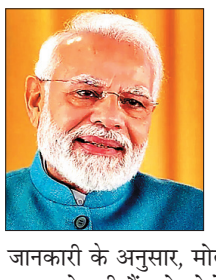

नयी दिल्ली. भारतीय रेलवे ने त्योहारों के दौरान भीड़-भाड़ नियंत्रित करने और यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से रियायती राउंड ट्रिप पैकेज योजना शुरू करने की घोषणा की है. इस योजना के तहत यात्रियों को जाने और वापसी की यात्रा एक साथ बुक करने पर वापसी यात्रा के मूल किराए में 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी. यह योजना 14 अगस्त से बुकिंग के लिए उपलब्ध होगी. इसके तहत यात्रा 13 से 26 अक्टूबर के बीच और वापसी 17 नवंबर से एक दिसंबर के बीच की जा सकेगी. योजना का लाभ केवल कन्फर्म टिकटों पर मिलेगा और बुकिंग आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप या रेलवे आरक्षण काउंटर, किसी एक माध्यम से करनी होगी. योजना में दोनों यात्राओं के लिए यात्री विवरण, यात्रा श्रेणी तथा मूल और गंतव्य स्थान समान होना जरूरी है.

एन बी सी सी NBCC नवरत्न सीपीएसई
माननीय उच्चतम न्यायालय की निगरानी वाली आवास परियोजना लर्नेड कोर्ट रिसीवर के माध्यम से एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा निष्पादित
ASPIRE
ई-नीलामी के माध्यम से इन्वेंट्री बल्क सेल
पैकेज - 2
ईएमडी शुल्क: ₹41.78 करोड़
ई-नीलामी दिनांक 12.08.2025 को आयोजित की जाएगी
ईएमडी जमा करने की अंतिम तारीख 11.08.2025
आधुनिक सुविधाओं से युक्त भव्य 3BHK अपार्टमेंट्स
पैकेज - 1
ई-नीलामी दिनांक 19.08.2025 को आयोजित की जाएगी
ईएमडी शुल्क: ₹67.67 करोड़
ईएमडी जमा करने की अंतिम तारीख 18.08.2025
आधुनिक सुविधाओं से युक्त भव्य 3BHK, 4BHK अपार्टमेंट्स

आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन 35 मिनट की दूरी पर
प्रसिद्ध स्कूलों और अस्पतालों के निकट
कृपया ई-नीलामी दस्तावेज के लिए इस क्यूआर को स्कैन करें।
कृपया लोकेशन के लिए क्यूआर स्कैन करें।
अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें : www.nbccindia.in | www.receiveramrapali.in
9772907414